दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 04.01.2022

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 04 जनवरी 2022 को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के स्वागत, सम्मान का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि शिक्षण संस्थान शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान की त्रिवेणी होती है। संस्थानों से ही छात्र का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि जब परम्पराओं का संवहन होता है तो इतिहास ही उसका साक्षी होता है। इतिहास केवल अतीत के वृतान्त का वर्णन ही नहीं, बल्कि इसका क्षेत्र बहुआयामी है यह भविष्य का दर्पण होता क्योंकि अतीत के आधार पर ही हम भविष्य की संकल्पना कर सकते है। भारत का सम्पूर्ण इतिहास तीन काल खण्डों में विभक्त है जिसका पहला खण्ड जो प्राचीन इतिहास कहलाता है यह पराक्रम और पौरूष का काल है। भारतीय इतिहास का मध्यकाल पराधीनता का काल कहा जाता है जबकि तीसरा काल खण्ड पुर्नजागरण और पुर्ननिर्माण का कालखण्ड है आधुनिक इतिहास कहलाता है। अतः किसी राष्ट्र की सम्पूर्ण व्यवस्था उसकी इतिहास पर ही आश्रित रहती है। किसी शिक्षण संस्था का समग्र विकास उसके प्रत्येक घटक के समन्वय की होती है और ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों के व्यक्तित्व के चौमुखी विकास का आधार होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर प्रतिस्पर्धा का दौर है अतः कठिन साधना और मजबूत संकल्प के साथ–साथ छात्रों के अपने निश्चित विकल्प को चुनना चाहिए। प्राचार्य ने सभी छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम सहित नव वर्ष की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह अतिथि स्वागत तथा छात्र–छात्राओं के धन्यवाद से प्रारम्भ हुआ। लेकिन वर्तमान परिस्थिति में कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति की कमी ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि कक्षा में अधिक से अधिक छात्रों की उपस्थिति से उनकी ज्ञान में वृद्धि होती है।

इस सांस्कृतिक परिवेश में छात्र–छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए अपनी गीत, संगीत, नाटिका तथा देशभक्ति और धार्मिक गीत और नृत्य से सम्पूर्ण माहौल का मंत्रमुग्ध कर दिया। इसमें शिवानी शुक्ला का गीत, मोहिनी राय शोलो डान्स, माधुरी यादव का कृष्ण भक्ति गीत तथा ग्रुप डान्स में शिवानी, प्रगति, पूजा, शालू सिंह तथा माधुरी न अपने हुनर से सबका भरपुर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अन्तिम चरण में **एम.ए.प्रथम वर्ष के छात्र आकाश दूबे मि.फ्रेशर तथा सोनी पासवान मिस. फ्रेशर** चुनी गयी।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा साक्षी पाण्डेय ने किया तथा आभार ज्ञापन विभाग की शिक्षिका डॉ. कामिनी सिंह ने किया उक्त अवसर पर डॉ. मुरली मनोहर तिवारी, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह तथा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

प्रो.(ओम प्रकाश सिंह)
प्राचार्य